

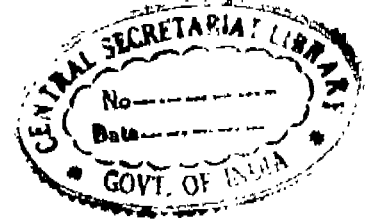


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-Section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 336]
No. 336]

नई दिल्ली, मंगलवार, अक्तूबर 15, 1996/आश्विन 23, 1918
NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 15, 1996/ASVINA 23, 1918

विधि और न्याय मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 अक्तूबर, 1996

सा. का. नि. 472 (अ).—केन्द्रीय सरकार, नोटरी नियम, 1956 के नियम 4 के उपनियम (1) के अनुसरण में और भारत सरकार के विधि और न्याय मंत्रालय (विधि कार्य विभाग) की अधिसूचना सा. का. नि. सं. 824 (अ) तारीख 5 अक्तूबर, 1990 का अधिक्रमण करते हुए श्री एन. सी. जैन, अपर विधि सलाहकार, विधि और न्याय मंत्रालय को उस सरकार द्वारा नियुक्त किए जाने वाले नोटरियों के संबंध में उक्त उपनियम के प्रयोजनों के लिए अधिकारी के रूप में पदाभिहित करती है।

2. यह अधिसूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगी।

[सं. एफ. 5 (187)/96-न्या.]

डा. एस. सी. जैन, संयुक्त सचिव एवं विधि सलाहकार

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Department of Legal Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th October, 1996

G. S. R. 472 (E).—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Notaries Rules, 1956 and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Law and Justice (Department of Legal Affairs) No. G. S. R. 824 (E) dated the 5th October, 1990, the Central Government hereby designates Shri N. C. Jain, Additional Legal Adviser to the Government of India in the Department of Legal Affairs, Ministry of Law and Justice, as the officer for the purposes of the said sub-rule in relation to notaries to be appointed by that Government.

2. This notification shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

[No. F. 5(187)/96-Judl.]

DR. S. C. JAIN, Jt. Secy. and Legal Adviser

